15907

जीवन विकास

विकसित महिला भारतीय नागरिक

भारत रत्न

प्रेम एवं करूणा की मूर्ति

15907

जीवन विकास

Govt. Distt. Library Tikamgarh M.P.

मदर टैरेसा फोटो

विकसित महिला भारतीय नागरिक
भारतरत्न
प्रेम एवं करूणा की मूर्ति

लेखक
दुर्गाप्रसाद शर्मा
(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी)

Govt. Distt. Library Acc. No. Tikamgarh M.P.

शीर्षक

जीवन विकास

लेखक के नाम सर्वाधिकार सुरक्षित

संस्करण– प्रथम
प्रतियाँ– 500

प्रकाशक– अध्यक्ष जिला सर्वोदय आश्रम
रमेश कुमार खरे
जिला– टीकमगढ़ (म.प्र.)

सहयोगी राशि– 50/–

चित्रांकन :–
स्टूडियो निशा, संयुक्त कलेक्ट्रेट के सामने,
टीकमगढ़ (म.प्र.)

मुद्रक:–
गोपिका ऑफसेट, पुरानी तहसील के पास
टीकमगढ़ (म.प्र.)

कम्प्यूटर ऑपरेटर–
मनोज कुमार चढ़ार
पुरानी तहसील के पास, टीकमगढ़ (म.प्र.)

1597

जीवन विकास

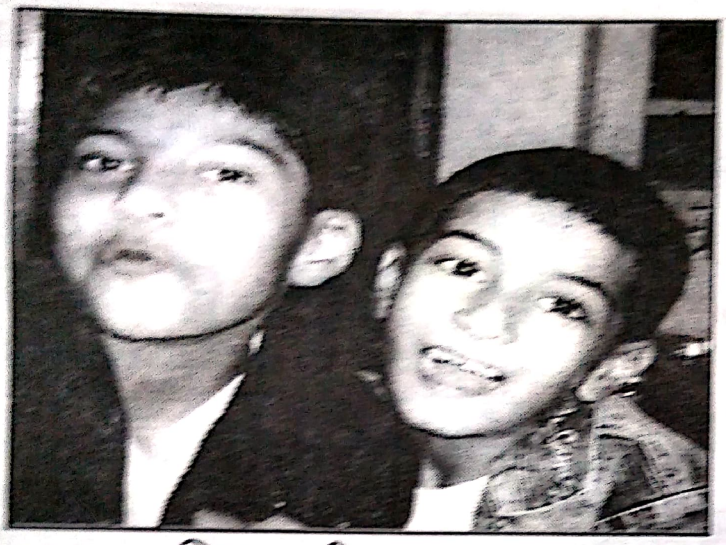

विकासशील बालक

अन्दर की शक्तियों का प्रकट होना ही विकास है

इस पथ का उद्देश्य नहीं कि शान्त भवन में टिके रहना।
किन्तु पहुँचना उस सीमा तक कि जिस के राह नहीं।।

सर्वोदय आश्रम गनेशगंज

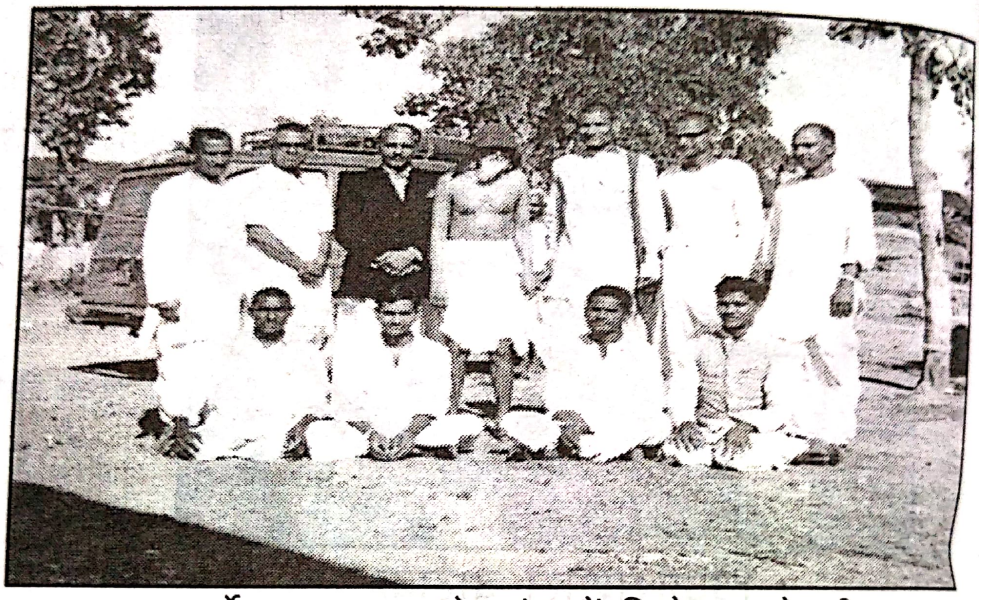

सर्वोदय आश्रम गनेशगंज में विनोवा भावे जी

सर्वोदय आश्रम गनेशगंज में सुन्दर लाल बहुगुणा,
मानवमुनि के साथ सर्वोदयी साथी

लेखक
श्री दुर्गा प्रसाद जी शर्मा
का संक्षिप्त परिचय

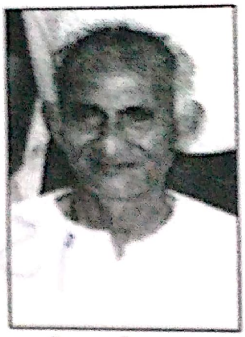

1) **जन्म–** 2 नवम्बर 1977 शहर झांसी माता सुश्री गोमतीबाई, पिता श्रीमान पं. धौकरण पत्नि सुश्री लक्ष्मीबाई।

2) **शिक्षा–** हिन्दी और संस्कृत में एम.ए. और बी.एड. तथा व्यायाम प्रशिक्षण लक्ष्मी व्यायाम मंदिर झांसी, हनुमान व्यायाम अमरावती और कोहापुर तथा प्राकृति चिकित्सा दिल्ली से प्राप्त किया। अखिल भारतीय जिमनास्टिक प्रतियोगिता में उत्तरप्रदेश की ओर से पूना और पटियाला में सम्मिलित हुये।

3) **सर्विस–** इण्टर की कक्षा तक अध्यापन तत्पश्चात् स्नातकोत्तर महाविद्यालय में व्यायाम शिक्षक पद पर टीकमगढ़, रीवा, छतरपुर रहे। 1975 में रिटायर्ड हुये।

4) **आन्दोलन–** सन् 1929 में गांधी जी प्रवचन के सुने। 1930 के असहयोग आन्दोलन पड़कर नमक बनाने, विदेशी वस्त्रों, शराब की दुकानों पर धरना देना। 1937 में चुनाव में भाग लेना और 1941 में व्यक्तिगत सत्याग्रह और 42 में करो मरो में सक्रिय रहना। 1943 में नौकरी छूटना आन्दोलन के कारण 1981 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मान्य होना।

5) **सर्वोदर्य–** सन् 1951 में भूटान यात्रा में विनोवा भावे का टीकमगढ़ आना उनसे प्रभावति होकर सर्वोदयी बनना। उनके साथ पद यात्रा करना। श्री चतुर्भुज पाठक के साथ रहकर जिले के अध्यक्ष मंत्री बने रहना। गौ–हत्या बन्दी आन्दोलन में कलकत्ते के कतल खाने पर धरना देने पर गिरफ्तार होना और जेल जाना।

6) **रचनात्मक कार्य–** श्री लक्ष्मी व्यायाम मंदिर, बुन्देलखण्ड शोध संस्थान एवं विद्यालय की स्थापना, निर्माण विकास में श्री अष्णा जी मुरलीधर अग्रवाल के साथ प्रारम्भ से संलग्न रहे। समय–समय पर कार्यकारिणी में रहकर शिक्षा परीक्षा मंत्री बनकर परीक्षायें संचालित की।
श्री बनारसीदास चतुर्वेदी के सहयोग से उन्हीं की भूटान भूमि पर सर्वोदय आश्रम स्थापित कर श्री चतुर्भुज पाठक स्मृति न्यास की स्थापना।

7) **अध्यात्मिक रूचि–** पवनार में श्री विनोवा भावे पांडिचेरी में सुश्री माता जी मद्रास (चेन्नई) अडियार में श्री जे. कृष्णा, मूर्ति तथा राधावर्नियर बनारस में आई.के. तैमजी, हरिद्वार में आचार्य श्री राम वर्मा और पूना में ओशो आश्रम आदि स्थानों में रहकर उनके प्रवचनों से आध्यात्मिक संतुष्टि लेता रहा।

8) **साहित्य देन–** समय–2 पर सामाजिक साहित्यिक लेख पत्र–पत्रिकाओं में लिखते रहना मुख्य रूप से सम्मानीय धरोहर रामनाम दर्शन, शिव दर्शन और सत्य दर्शन, अहिंसा विकास एवं जीवन विकास नामक पुस्तकें प्रकाशित हैं।

प्रस्तुति – बद्रीप्रसाद देवलिया
संपादक– शुभम टाईम्स टीकमगढ़